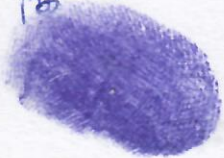
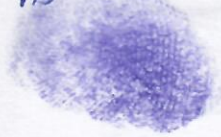


कि. देव



कि. पत्र



राजसमन्द

कि. देव



कि. देव



कि. देव



राजसमन्द

कि. देव

राजसमन्द

कि. देव



इ अलोकन से सिद्ध है कि वास्तव
 मूत्रि आनन्द मोग की आरजी नम्बर
 883 रकम 1-03-00 मूत्रि से
 संबंधित वाद न्यायालय में विचारार्थ
 है। जिसमें अस्पष्ट निवेदन
 जारी की जाते न्यायोचित जाते
 होते हैं अतः उक्त मूत्रि पर इस
 आराज की अस्पष्ट निवेदन इस
 वाद से विस्तारण तक जारी की
 जाती है कि उक्त पक्षकारों में से
 व रेकार्ड की घटा (विधि) व कार्य
 रखे। पत्रावली के लक्ष्य श्रुत
 हो कर नम्बर से रकम है।
 निर्णय (शुद्ध न्यायालय में सुनाया
 गया)

सहायक कलेक्टर
 (एस.डी.ओ.) कुम्भलगढ
 जिला-राजसमन्द

